JIOSTAR STREAMLINES TV DISTRIBUTION STRUCTURE

JioStar India, the Reliance Industries–Disney joint venture, is moving to simplify its corporate structure by folding its television distribution arm into the parent entity. The proposed fast-track merger reflects a broader effort to consolidate legacy broadcast operations as India's media groups recalibrate for scale, efficiency, and regulatory clarity.

JioStar India has proposed the merger of its wholly owned subsidiary, IndiaCast Media Distribution, into the parent company through a fast-track process under Section 233 of the Companies Act. The move, subject to regulatory approvals, is aimed at consolidating television distribution operations within a single corporate entity and reducing structural complexity following a series of mergers within the group.

Under the proposed scheme, all assets, liabilities, contracts, employees, and ongoing legal proceedings of IndiaCast will be transferred to JioStar India. Since IndiaCast is a wholly owned subsidiary, the amalgamation will not involve any issuance of shares or monetary consideration. Once the scheme becomes effective, IndiaCast will be dissolved without undergoing a separate winding-up process.

The effective date for the merger has been proposed as April 1, 2025, or another date approved by JioStar India's board. The board cleared the amalgamation scheme on July 14, 2025, and a notice inviting objections or suggestions from stakeholders was filed with the Registrar of Companies on January 23, 2026. If no objections are raised by regulators or creditors, the merger could be completed within a relatively short timeframe.

IndiaCast operates as an aggregator and distributor

जियोस्टार ने टीवी वितरण संरचना को आसान बनाया

रिलायंस इंडस्ट्रीज-डिज्नी का संयुक्त उपक्रम 'जियोस्टार इंडिया', अपने टेलीविजन वितरण बांच को पेरेंट इकाई में मिलाकर, अपने कार्पोरेट संरचना को आसान बनाने की कोशिश कर रहा है। प्रस्तावित फास्ट ट्रैक विलय पुराने प्रसारण संचालन को एक साथ लाने की बड़ी कोशिश करता हुआ दिखता है, क्योंकि भारत के मीडिया गुप स्केल, क्षमता और रेगुलेटरी स्पष्टता के लिए रीकैलिब्रेट कर रहे हैं।

जियोस्टार इंडिया ने कंपनीज एक्ट के सेक्शन **233** के तहत फास्ट ट्रैक प्रक्रिया के जरिये अपनी पूरी तरह से मालिकाना हक वाली इकाई, इंडियाकास्ट मीडिया डिस्ट्रीब्यूशन, का पेरेंट कंपनी में विलय का प्रस्ताव रखा है। यह कदम, रेगुलेटरी मंजूरी के अधीन है, जिसका मकसद टेलीविजन वितरण, ऑपरेशन को एक ही कारपोरेट इकाई के अंदर मजबूत करना और गुप के अंदर कई विलय के बाद संरचनात्मक मश्किलों को कम करना है।

प्रस्तावित स्कीम के तहत, इंडियाकास्ट के सभी एसेट्स, लायबिलिटीज, कॉन्ट्रैक्ट्स, कर्मचारी और जारी कानूनी मामले को जियोस्टार इंडिया को ट्रांसफर कर दी जायेगी। चूंकि इंडियाकास्ट पूरी तरह से स्वामित्व इकाई है, इस एमेल्गमेशन में कोई शेयर जारी करना या मॉनेटरी कंसीडरेशन शामिल नहीं होगा। एक बार स्कीम लागू हो जाने के बाद इंडियाकास्ट को अलग से वाइंडिंग अप प्रोसेस से गुजरे बिना ही खत्म कर दिया जायेगा।

विलय की लागू होने की तारीख **1** अप्रैल **2025** या जियोस्टार इंडिया के बोर्ड से मंजूर कोई दूसरी तारीख बतायी गयी है। बोर्ड ने **14** जुलाई **2025** को समामेलन स्कीम को मंजूरी दे दी थी, और हितधारकों से आपत्ति या सुझाव मांगने के लिए एक नोटिस **23** जनवरी **2026** को रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के पास फाइल किया गया था। अगर रेगुलेटर्स या क्रेडिटर्स कोई आपत्ति नहीं उठाते हैं, तो विलय काफी कम टाइमफ्रेम में पूरा हो सकता है।

of television channels, supplying content to cable television networks and direct-to-home (DTH) platforms across India. Historically, the company was a joint venture between Viacom18 and TV18. Over time, successive restructurings reshaped the ownership landscape: TV18 was amalgamated into Network18, while Viacom18 merged with Star India to create JioStar. IndiaCast also distributes channels for third-party broadcasters, including Eenadu Television and AETN18, which operates History TV18.

From a financial perspective, IndiaCast remains a modest but stable operation within the group. For the financial year ended 2025, the company reported total income of ?240 crore and a marginal net loss of ?24 lakh, compared with income of ?224 crore and a net loss of ?2.63 crore in the previous year. While profitability has remained elusive, the narrowing of losses indicates a relatively steady distribution business in a challenging pay-TV environment.

As part of the amalgamation, all intercompany investments, balances, and transactions between IndiaCast and JioStar India will be cancelled. The company has stated that the merger is intended to improve operational, managerial, and strategic efficiency by consolidating assets and liabilities, rationalising the group structure, and reducing administrative, legal, and regulatory overheads.

From an industry standpoint, the move reflects a broader trend among large media conglomerates to simplify layered corporate structures created through years of acquisitions and joint ventures. With television distribution facing margin pressure from cord-cutting, pricing regulation, and competition from digital platforms, tighter organisational integration is increasingly seen as a way to protect scale advantages and reduce friction.

Legal experts note that fast-track mergers under Section 233 are gaining popularity, particularly for mergers between holding companies and wholly owned subsidiaries. Such transactions typically take two to three months to complete if no objections are raised by regulators, offering a quicker alternative to conventional merger routes.

For JioStar, the proposed amalgamation appears less about expansion and more about consolidation, bringing legacy broadcast distribution closer to the core as the group balances traditional television operations with its growing digital ambitions.■

इंडियाकास्ट टेलीविजन चैनलों के एग्रीगेटर और वितरक के तौर पर काम करता है, जो पूरे भारत में केबल टेलीविजन नेटवर्क और डॉयरेक्ट–टू–होम (डीटीएच) प्लेटफॉर्म को कंटेंट की आपूर्ति करता है। पहले कंपनी, वायकॉम 18 और टीवी18 के बीच एक संयुक्त उपक्रम था। समय के साथ लगातार रीस्ट्रक्चरिंग ने ओनरशिप के माहौल को बदल दियाः टीवी18 को नेटवर्क 18 में मिला दिया गया, जबकि वायकॉम 18 ने जियोस्टार बनने के लिए स्टार इंडिया के साथ विलय किया। इंडियाकास्ट तीसरी पार्टी के लिए भी चैनल वितरित करता है, जिसमें ईनाडु टेलीविजन और एईटीएन 18 शामिल हैं, जो हिस्ट्री टीवी 18 को संचालित करता है।

वित्तीय नजरिये से इंडियाकास्ट ग्रुप में एक मामूली लेकिन स्टेबल संचालन बना हुआ है। 2025 में खत्म हुए वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी ने 240 करोड़ रुपये की कुल आमदनी और 24 लाख रुपये का मार्जिनल नेट लॉस दर्ज किया। हालांकि लाभ कम ही रहा, लेकिन लॉस में कमी एक मुश्किल पे टीवी माहौल में एक काफी स्टेबल वितरण व्यवसाय दिखाती है।

इस विलय के तहत इंडियाकास्ट और जियोस्टार इंडिया के बीच सभी इंटरकंपनी निवेश, बैलेंस और ट्रांजैक्शन रद्द कर दिये जायेंगे। कंपनी ने कहा कि विलय का मकसद संपत्ति और लायाबिलिटीज को एकसाथ लाकर, ग्रुप स्ट्रक्चर को रैशनलाइज करके और एडमिनिस्ट्रेटिव, लीगल और रेगुलेटरी ओवरहेडस को कम करके संचालन, मैनेजेरियल और रणनीति एफिशिंएसी में सुधार करना है।

उद्योग के नजरिये से, यह कदम बड़े मीडिया ग्रुप्स के बीच एक बड़े ट्रैंड को दिखाता है, जो सालों के अधिग्रहण और संयुक्त उपक्रम से बने लेयर्ड कार्पोरेट संरचना को आसान बनाने के लिए है। टेलीविजन वितरण को कार्ड कटिंग, प्राइसिंग रेगुलेशन और डिजिटल प्लेटफॉर्म से प्रतिस्पर्धा के कारण मार्जिन पर दबाव का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए ज्यादा मजबूत संगठन एकीकरण को स्केल एडवांटेड को बचाने और फ्रिक्शन को कम करने के तरीके के तौर पर देखा जा रहा है।

विधि विशेषज्ञ का कहना है कि सेक्शन 233 के तहत फास्ट ट्रैक विलय लोकप्रिय हो रहे हैं, खासकर होल्डिंग कंपनियों और पूरी तरह से मालिकाना हक वाली सहायक कंपनियों के बीच विलय के लिए। अगर रेगुलेटर्स कोई आपत्ति नहीं उठाते हैं, तो ऐसे लेनदेन को पूरा होने में आमतौर पर दो से तीन महीने लगते हैं, जो पुराने विलय के तरीकों का ए तेज विकल्प देता है।

जियोस्टार के लिए प्रस्तावित विलय विस्तार के बारे में कम और एकीकरण के बारे में ज्यादा लगता है–इससे पुराने प्रसारण वितरण के कोर के करीब लाया जायेगा क्योंकि ग्रुप पारंपरिक टेलीविजन संचालन को अपनी बढ़ती डिजिटल महत्वाकांक्षाओं के साथ संतुलित करेगा।■